8th

पाठ 10
सत्य और अहिंसा

Date __/__/____ Page No.: ____

मौखिक -

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

प्र॰क- महात्मा गाँधी का पुरा नाम क्या है?
उ॰- महात्मा गाँधी का पुरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था।

प्र॰ख - गाँधी जी का जन्म कब हुआ था?
उ॰- गाँधी जी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 में हुआ था।

प्र॰ग- गाँधी जी का जन्म कहाँ हुआ था?
उ॰- गाँधी जी का जन्म गुजरात के पोरबंदर में हुआ था।

प्र॰घ - गाँधी के प्रमुख तीन सिद्धान्त कौन से है?
उ॰- गाँधी जी के प्रमुख तीन सिद्धांत है (i) बुरा न देखो। (ii) बुरा न सुनो। (iii) बुरा न कहो।

प्र॰ङ॰- पाठ के लेखक कौन है?
उ॰- पाठ के लेखक महात्मा गाँधी हैं।

लिखित -

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

प्र॰क) गाँधी जी की नजर में सत्य का अर्थ क्या है?
गाँधी जी की नजर मे सत्य का अर्थ केवल सत्य बोलना ही नहीं है। उन्होंने 'सत्य' का विशाल अर्थ में प्रयोग करते हुए कहा है कि वाणी में और आचार-विचार में सत्य का होना ही सत्य है।

संबंधित है जैसे सिक्के के दो रुख। उनमें से किसे सीधा और उल्टा। अतः दोनों को एक दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। जो व्यक्ति सत्य बोलता है वह अवश्य ही किसी भी प्रकार की हिंसा न करने का प्रयास करेगा।

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

इसी से अहिंसा बल्कि भीतर है।

प्र॰क - अहिंसा क्या है?

उ॰ - अहिंसा का अर्थ है - किसी को किसी भी प्रकार का कष्ट न पहुँचाना

प्र॰ख - जिज्ञासु के सामने क्या सवाल उठ खड़ा हुआ?

उ॰ - जिज्ञासु के सामने यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि अपने मार्ग में आने वाले संकटों को सहे या उसके निमित्त जो नाश करना पड़े, वह करता जाए और आगे बढ़े।

प्र॰ग - जिज्ञासु ने क्या देखा?

उ॰ - जिज्ञासु ने देखा कि नाश करते हुए चलने पर वह आगे नहीं बढ़ता और वहीं का वहीं रह जाता है।

प्र॰घ - सत्य कहाँ है?

उ॰ - सत्य व्यक्ति के भीतर है।

Date ___/___/_____

Page No.: _____

प्र०ख- सत्य को कैसे पाया जा सकता है ?

उ०- सत्य को अभ्यास एवं वैराग्य से पाया जा सकता है।

प्र०ग- गाँधी जी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग के विषय में क्या बताया है ?

उ०- गाँधी जी ने बताया है कि सत्य और अहिंसा का मार्ग जितना सीधा है, उतना ही तंग भी। अत: खाँडे की धार पर चलने के समान है। नट जिस डोर पर सावधानी से नजर रखकर चल सकता है, सत्य और अहिंसा की डोर उससे भी पतली है। जरा सी सावधानी हटते ही नीचे गिर जाएँगे। पल-पल साधना से ही उसके दर्शन होते है।

प्र०घ- गाँधी जी ने सत्य और अहिंसा का स्थूल रूप कैसे बताया है ?

उ०- गाँधी जी ने बताया है कि अहिंसा वह स्थूलरूप नहीं है जो आज हमारी दृष्टि के सामने है। उनके अनुसार किसी को मारना तो हिंसा है ही कुविचार, मिथ्या भाषण और ईर्ष्या-द्वेष आदि भी हिंसा ही है।

प्र०ङ- सत्य और अहिंसा कैसे संबंधित हैं ?

उ०- सत्य और अहिंसा एक दूसरे से इस प्रकार

(ङ) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

(अ) अहिंसा = अ + ह् + इ + ं + स् + आ

(ब) संकट = स + अ + ं + क् + अ + ट् + अ

(स) तलाश = त् + अ + ल् + आ + श् + अ

भाषा-बोध

1. दिए गए शब्दों में से उपसर्ग और मूलशब्द को अलग-अलग करके लिखिए-

शब्द		उपसर्ग	मूलशब्द
असत्य	-	अ	सत्य
अहिंसा	-	अ	हिंसा
असंभव	-	अ	संभव
विशेष	-	वि	शेष
कुविचार	-	कु	विचार

2. दिए गए शब्दों में से प्रत्यय और मूलशब्द को अलग-अलग करके लिखिए-

शब्द		प्रत्यय	मूलशब्द
कायरता	-	ता	कायर
आवश्यकता	-	ता	आवश्यक
शांति	-	इ	शांत
विशालता	-	ता	विशाल
आनंदित	-	इत	आनंद

3. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

आराधना	-	पूजा	अर्चना
हाथ	-	हस्त	कर
सिर	-	शीश	खोपड़ी
मित्र	-	सखा	दोस्त
ईश्वर	-	विधाता	भगवान

4. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

सत्य	×	असत्य	कायर	×	साहसी
ज्ञान	×	अज्ञान	स्वार्थ	×	निस्वार्थ
उचित	×	अनुचित	हिंसा	×	अहिंसा
दोषी	×	निर्दोष	पतली	×	मोटी
संभव	×	असंभव	शुद्ध	×	अशुद्ध
भीतर	×	बाहर	निश्चय	×	अनिश्चय

5. रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए-

(क) जिसे सत्य की तलाश होती है, वही संकट सहता है। (क) मिश्रित वाक्य

(ख) भकटते ही वह ठोकर खाता है और फिर सीधे रास्ते चलने लगता है। (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सत्य और अहिंसा की डोर उससे भी पतली है। (ग) सरल वाक्य

(घ) पल-पल साधना से ही उसके दर्शन होते हैं। (घ) सरल वाक्य

2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

क) सत्य के बिना किसी भी नियम का शुद्ध पालन असंभव है।

ख) यह सत्य रूपी परमेश्वर मेरे लिए रत्न चिंतामणि सिद्ध हुआ है।

ग) हमारे लिए तो सब सगे हैं, मित्र हैं।

घ) अहिंसा वह स्थूल वस्तु है, जो आज हमारी दृष्टि के सामने है।

ङ) साधन की चिंता करते रहने पर साध्य के दर्शन किसी दिन कर ही लेंगे।

3) सही उत्तर के सामने सही का निशान लगाइए -

क) ✓ ख) ×

ग) ✓ घ) ✓

ङ) ✓

8th

पाठ 11
सोना

Date __/__/____ Page No.: ______

मौखिक -

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

प्र.क- सुस्मिता हिरन को महादेवी के पास क्यों भेजना चाहती थी ?

उ. - सुस्मिता जानती थी कि महादेवी वर्मा के पास हिरन की देखभाल अच्छी प्रकार हो सकेगी। इसीलिए वह हिरन को महादेवी के पास भेजना चाहती थी।

प्र.ख- शावक का नाम सोना क्यों रखा गया ?

उ.- सुनहरे रंग और रेशमी लच्छों की गाँठ के समान होने के कारण शावक का नाम सोना रखा गया।

प्र.ग- सोना को क्या खाना पसंद था ?

उ.- सोना को बिस्कुट खाना पसंद था।

प्र.घ- छात्राएँ सोना के साथ कैसा व्यवहार करती थीं ?

उ. - छात्राएँ सोना के साथ मित्रवत व्यवहार करती थीं और उसके साथ खेला करती थीं।

प्र.ङ- फ्लोरा किसके संरक्षण में बच्चों को छोड़ देती थी ?

उ. - फ्लोरा सोना के संरक्षण में बच्चों को छोड़ देती थी।

Chitra

1. पाठ में स्वर रहित र [ ] और स्वर सहित र [ ] के शब्दों का बहुतायत से प्रयोग हुआ है। सूची बनाइए-

[ ] स्वर्गीय, वर्ष, पूर्व, प्रदर्शन, मुमूर्षु, कार्यकलाप, कर्म

[ ] प्राण, प्रसुप्त, प्रभावित, प्रियता, प्रति, प्रेम, प्रयास, प्राण

2. ऋ की मात्रा है [ ]। पाठ में से [ ] की मात्रा के शब्द चुनकर सूची बनाइए और किन्हीं दो का अर्थ भी लिखि

उ. - स्मृति, विस्तृत, कृपा, मृग, गृहणी, दृष्टि

3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-

जो जान-पहचान का हो — परिचित

जिसकी वांछा (इच्छा) न हो — अवांछित

अबोध शिशु की अवस्था — शैशवावस्था

जहाँ छात्र-छात्राएँ निवास करें — छात्रावास

सुबह का नाश्ता — कलेवा

जिसका रंग सोने जैसा सुनहरा हो — सुनहला

4. 'इत' और 'ईय' प्रत्यय शब्दांश जोड़कर प्रत्येक से पाँच-पाँच शब्द बनाइए-

अंकित अंकुरित अपरिचित आनंदित विस्मित

पठनीय सराहनीय जातीय भारतीय राष्ट्रीय

5. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

तरल	× ठोस		लघु	×	दीर्घ
सुप्त	× जागृत		मृत	×	जीवित
स्वामी	× दास		सुडौल	×	बेडौल

गृहकार्य

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

शावक अवांछित — — अनुष्ठान आरंभ हुआ।

प्र.क- शावक अवांछित क्यों था ?

उ. कोई भी उस शावक का चाहने वाला नहीं था। इसीलिए वह अवांछित था। उसकी माँ मर चुकी थी।

प्र.ख- लेखिका के पास वह कैसे आ गया ?

उ. एक बालिका उस शावक को लेखिका के पास ले आई थी।

प्र.ग- लेखिका ने कैसे उस शावक को बचाया ?

उ. लेखिका ने शावक को बड़ी मुश्किल से दूध पीना सिखाया। उसका मुँह उस समय इतना छोटा था कि बोटल का निप्पल भी उसमें नहीं समाता था। उसे ग्लूकोज और दूध पिलाकर ही बचाया गया।

प्र.घ- समानार्थी शब्द लिखिए - शावक - बच्चा | अवांछित - उपेक्षित
धूमिल - धुँधला | अनुष्ठान - विशेष कार्य

1- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए -

प्र०क- लेखिका को सोना की स्मृति होने का क्या कारण था?

उ० लेखिका के परिचित स्वर्गीय डॉ० धीरेंद्र वसु की पौत्री सुरिगता ने उन्हें एक पत्र लिखकर एक हिरण को स्वीकार करने की विनती की थी। इसी पत्र के कारण उन्हें अचानक सोना की स्मृति हो आई थी।

प्र०ख- सोना का रूप-रंग कैसा था?

2 सोना का रंग सुनहरा, रेशमी लच्छों की गाँठ के समान कोमल लघु शरीर, बड़ी-बड़ी पानीदार आँखें, लंबे कान, पतली सुडौल टाँगें थी। वह बहुत सरल और सुंदर लगती थी।

प्र०ग- सोना लेखिका से अपना स्नेह प्रदर्शन किस प्रकार करती थी?

"If you judge people, you have no time to love them." —Mother Teresa

सोना लेखिका से अपना स्नेह प्रदर्शन करने के लिए उनके सिर के ऊपर को छलांग लगाती। वह पैरों को इस तरह सिकोड़े रहती और इतनी ऊँचाई से सिर को लाँघती कि चोट लगने की कोई संभावना ही नहीं रहती थी।

प्र० घ - बद्रीनाथ की यात्रा से वापस आने पर पालतू जीवों ने लेखिका का किस प्रकार स्वागत किया?

उ० - बद्रीनाथ की यात्रा से वापस आने पर गोधूलि उनके कंधे पर आ बैठी। हेमंत और बसंत उनके चारों ओर परिक्रमा करके हर्ष ध्वनियों से उनका स्वागत करने लगे।

प्र० ङ - सोना की करुण कथा का अंत किस प्रकार हुआ?

5 इस आशंका के कारण कि सोना के साथ कोई अनहोनी न हो जाए, माली ने उसे मैदान में एक लंबी रस्सी से बाँधना आरंभ कर दिया था। एक दिन वह बहुत ऊँचाई तक उछली और रस्सी के कारण मुँह के बल आ गिरी। इस प्रकार उसकी करुण कथा का अंत हुआ।

लिखित-3 आशय स्पष्ट कीजिए -
परन्तु उस बेचारे —— निष्ठुरता गढ़ती है।
प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि मनुष्य इतना निर्दयी हो गया है कि जीवों पर अत्याचार करते हुए उसे जरा सी भी दया नहीं आती। किसी ने सोना की माँ को केवल अपने मनोरंजन के लिए मार दिया। अब जब वह बड़ी हुई तो मनुष्यों के डर के कारण ही उसे रस्सी से बाँधा गया। यही रस्सी उसकी मृत्यु का कारण बनी।

2- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -
क) कई वर्ष पूर्व मैंने निश्चय किया था कि हिरन नहीं पालूँगी।
ख) छोटा-सा मुँह और बड़ी-बड़ी पानीदार आँखें।
ग) उसका दिन भर का कार्यकलाप भी एक तरह से निश्चित था।
घ) गोधूलि मेरे कंधे पर आ बैठी।
ङ) सब उसके सरल, शिशु रूप से प्रभावित हुए।

Chitra
"If you judge people, you have no time to love them."—Mother Teresa

6. नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए-

व्यथा - पुत्र की व्यथा से माँ द्रवित हो गई

रोमंथन - गायों का झुंड रोमंथन (जुगाली) करता हुआ आ रहा था।

निरीक्षण - आज विद्यालय में प्रधानाचार्य ने निरीक्षण किया।

सजीव - पेड़-पौधे भी सजीव होते हैं।

शैशवावस्था - शैशवावस्था में बच्चे एकदम अबोध होते हैं।

7. निर्देशानुसार वाक्य बदलकर पुनः लिखिए-

(क) वह हरिणी आएगी और अपने मुँह से मेरी साड़ी का छोर चबाएगी। (भूतकाल)

उ०- वह हरिणी आई और अपने मुँह से मेरी साड़ी का छोर चबा गई।

(ख) एक दिन देखा, फ़्लोरा कहीं बाहर घूमने गई है। (भविष्यत् काल)

उ०- एक दिन देखेंगे, फ्लोरा कहीं बाहर घूमने गई।

(ग) वह उछली और छलाँगें लगाती निकल गई। (वर्तमान काल)

उ०- वह उछलती है और छलाँगे लगाती निकल जाती है।

Date __/__/____ # डॉक्टर के शब्द Page No.: ______

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

प्र०क- डॉक्टर साहब की राय की कद्र क्यों की जाती है?

उ०- डॉक्टर साहब की राय की कद्र इसलिए की जाती थी क्योंकि उनके शब्दों पर मरीज की जिंदगी निर्भर रहने लगी थी।

प्र०ख- डॉक्टर को दिलासा देने वाले की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उ०- डॉक्टर को दिलासा देने वाले की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आज उनके सामने उनका चालीस साल पुराना दोस्त गंभीर अवस्था में पड़ा था।

प्र०ग- मरीज के साथ डॉक्टर साहब की जिंदगी कितनी पुरानी थी?

उ०- मरीज के साथ डॉक्टर साहब की जिंदगी चालीस साल पुरानी थी।

प्र०घ- डॉक्टर ने गोपाल को वसीयत पर हस्ताक्षर करने क्यों नहीं दी?

उ०- डॉक्टर ने गोपाल को वसीयत पर हस्ताक्षर करने की आज्ञा इसलिए नहीं दी क्योंकि वे सोचते थे कि कहीं यह उसकी मौत का परवाना न हो जाए।

"You can't cross the sea merely by standing and staring at the water."—Rabindranath Tagor

Chitra

पाठ 12

Date __/__/______ Page No.: ______

लिखित –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए –

प्र० क – डॉक्टर रमन के पास मरीज आखिरी दिनों में ही क्यों आते थे ?

उ० – डॉक्टर रमन के पास मरीज आखिरी दिनों में ही इसलिए आते थे क्योंकि एक तो उनकी फ़ीस ज़्यादा थी, दूसरे कोई यह नहीं मानना चाहता था कि आखिरी समय आ गया है।

प्र० ख – डॉक्टर साहब अपने मित्र के साथ इतवार का दिन किस प्रकार बिताते थे ?

उ० – डॉक्टर साहब अपने मित्र के साथ इतवार के दिन शाम को एक साथ खाना खाते, फिल्म देखते और देश-दुनिया की जमकर बातें करते थे।

प्र० ग – गोपाल बीमारी के समय कौनसा अंतिम कार्य करना चाहता है ?

उ० – गोपाल बीमारी के समय वसीयत पर दस्तख़त करना चाहता था।

प्र० घ – "तुम वसीयत की फिक्र मत करो, तुम जीओगे। तुम्हारा दिल बहुत मज़बूत है।" यह वाक्य किसने, किससे कहा है ?

उ० – "तुम वसीयत की फिक्र मत करो, तुम जीओगे। तुम्हारा दिल बहुत मज़बूत है।" यह वाक्य डॉक्टर रमन ने गोपाल से कहा।

Chitra

"You have to take the calculated risk, to earn something." –Dhirubhani Ambani

पाठ 12

Date ___/___/______ Page No.: ______

2 निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।
"अब मैं शर्त — — कैसे झेल गया ?"

उ०- मौत के मुँह वापस गोपाल को देखकर डॉ० साहब ने यह बात कही कि अब यह नब्बे साल तक जिंदा रहेगा क्योंकि डॉ० के अनुसार यह एक चमत्कार ही था।

विषय वस्तु का बोध
नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
"एक दिन सुबह — — उन्हें याद आया।"

प्र० क- उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए -

उ०- पाठ का नाम 'डॉक्टर के शब्द' और लेखक का नाम 'आर० के० नारायण'

प्र० ख- डॉक्टर साहब का नाम क्या था ?

उ०- डॉक्टर साहब का नाम- डॉक्टर रमन था।

प्र० ग- अस्पताल की बेंच पर कौन बैठा था ?

उ०- अस्पताल की बेंच पर गोपाल का बड़ा बेटा बैठा था।

प्र० घ- डॉक्टर साहब को क्या याद आया ?

उ०- डॉक्टर साहब को याद आया कि लगभग एक महीने से उनका मित्र गोपाल उनसे मिलने नहीं आया।

Chitra

3. निम्नलिखित कथन किसने-किससे कहा?

(क) तो अगले चालीस बरस तक चलती रहेगी।
(ख) दो चम्मच काफ़ी होगी।
(ग) इस वक्त कोई सवाल मत करो।
(घ) तुम्हारा दिल बहुत मज़बूत है।
(ङ) तुम्हारी कही बात ज़रूर सच होगी।

किसने	किससे
डॉक्टर ने	नर्स एवं सहायक से
डॉक्टर ने	दोस्त की पत्नी से
डॉक्टर ने	दोस्त की पत्नी से
डॉक्टर ने	दोस्त से
मरीज़ दोस्त ने	डॉक्टर से

पाठ 12

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"एक दिन सुबह जब उन्होंने मरीज़ों से भरे अस्पताल की एक बेंच पर उसके बेटे को इंतज़ार करते देखा तब उन्हें याद आया।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) डॉक्टर साहब का क्या नाम था?
(ग) अस्पताल की बेंच पर कौन बैठा था?
(घ) डॉक्टर साहब को क्या याद आया?

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाइए-

कृतज्ञ	-	कृतज्ञता	व्यस्त	-	व्यस्तता
सफल	-	सफलता	भला	-	भलाई
कठिन	-	कठिनाई	सच्चा	-	सच्चाई

2. दिए गए शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नया शब्द बनाइए-

चमक	+	ईला	=	चमकीला	नाटक	+	ईय	=	नाटकीय
गहरा	+	आई	=	गहराई	कड़वा	+	आहट	=	कड़वाहट
जिगर	+	ई	=	जिगरी	योग्य	+	ता	=	योग्यता

3. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

स्थाई	×	अस्थाई	शांत	×	अशांत
अच्छाई	×	बुराई	स्पष्ट	×	अस्पष्ट
सौभाग्य	×	दुर्भाग्य	प्रातः	×	सायं
संतोष	×	असंतोष	मज़बूत	×	कमज़ोर
जीवन	×	मरण	सफल	×	असफल

4. निम्नलिखित शब्दों के दो भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए-

सोना - स्वर्ण, नींद

उत्तर - जवाब, एक दिशा

कल - पुर्जा, आने वाला या बीता हुआ दिन

जीवन - ज़िंदगी, पानी

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए-

(क) कमर कसना - तैयार होना

रमेश ने फुटबॉल मैच जीतने के लिए कमर कस ली है।

(ख) चेहरे पर पसीना आना - घबरा जाना

जब चोर चोरी करते हुए पकड़ा गया तो उसके मुँह पर पसीना आ गया।

6. निम्नलिखित वाक्यों में अशुद्धि संशोधन कीजिए-

(क) गोपाल अस्पताल के कोने में बैठकर प्रतीक्षा करता था। गोपाल अस्पताल के कोने में बैठकर प्रतीक्षा करता था।

(ख) मरीज़ बीमारी के आखिरी दिनों में ही आती थी। मरीज़ बीमारी के आखिरी दिनों में ही आते थे।

(ग) डॉ० रमन के राय की कद्र की जाता था। डॉ० रमन की राय की कद्र की जाती थी।

(घ) डॉ० के सामने अनेक लोग खड़े थे। डॉ० के सामने अनेक लोग खड़े थे।

पाठ 13

ट्वेंटी-ट्वेंटी

Date ___/___/______

Page No.: ______

मौखिक -

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

प्र०क - कृत्रिम रोशनी में क्रिकेट खेलने का प्रयोग किसने किया ?

उ० - कैरी पैकर ऑस्ट्रेलिया के एक व्यवसायी ने कृत्रिम रोशनी में रात को क्रिकेट खेलने का प्रयोग किया।

प्र०ख - रात को क्रिकेट खेलने का क्या उद्देश्य था ?

उ० - रात को क्रिकेट खेलने का उद्देश्य था कि टेलीविजन में प्रसारण अच्छा हो तथा विज्ञापनों से कमाई हो।

प्र०ग - व्यावसायिक बुद्धि वाले लोगों ने क्या सोचा ?

उ० - व्यावसायिक बुद्धि वाले लोगों ने सोचा कि यदि तीन - सवा तीन घंटे की फिल्म की तरह क्रिकेट का मैच भी इतने ही समय में समाप्त हो जाए तो और ज्यादा लोग इस खेल से जुड़ेंगे।

प्र०घ - इस विधा की सबसे बड़ी विशेषता क्या है ?

उ० - इस विधा की सबसे बड़ी विशेषता है कमाई और लोकप्रियता के साथ-साथ खिलाड़ियों में मैत्री भावना का विकसित होना।

प्र०ङ - बॉल आउट किसे कहते हैं ?

उ० - 'टाई' की स्थिति में बॉल आउट का प्रावधान है।

"You have to take the calculated risk, to earn something."—Dhirubhani Ambani

पाठ 13 Date __/__/____ Page No.: ______

लिखित -

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

प्र॰क- ट्वंटी-ट्वंटी क्रिकेट में कौनसे सात रंग शामिल है ?

उ॰- ट्वंटी-ट्वंटी क्रिकेट में खेल, मनोरंजन, तड़क-भड़क, रोमांच, पैसा, व्यवसाय व लोकप्रियता, ये सात रंग शामिल है।

प्र॰ख- बीसवीं सदी में आविष्कारों की बाढ़ से मुख्य परिवर्तन क्या हुआ ?

उ॰- बीसवीं सदी में आविष्कारों की बाढ़ ने सामाजिक ढाँचे में गहरा बदलाव किया। टेलीविजन के आविष्कार तथा उसकी लोकप्रियता ने खेल, मनोरंजन, व्यापार तथा विज्ञापन की दुनिया में क्रांति ला दी। इस समय खेलों का लाभ उठाने के लिए बहुमुखी प्रयास हुए।

प्र॰ग- ट्वंटी-ट्वंटी क्रिकेट की धारणा कैसे सामने आई ?

उ॰- यश और धन चाहे जितना भी मिले संतुष्टि नहीं होती। यही बात इस खेल में भी सामने आई। क्रिकेट से जुड़े व्यावसायिक लोगों ने सोचा कि यदि तीन-सवा तीन घंटे की फिल्म की तरह क्रिकेट का मैच भी इतने ही समय में समाप्त हो जाए तब और ज्यादा लोग इस

खेल से जुड़ेंगे।

प्र॰ घ- आई॰ पी॰ एल॰ का पूरा नाम क्या है तथा इसकी स्थापना कहाँ और क्यों हुई?

उ॰- भारत में भारतीय क्रिकेट बोर्ड का आशीर्वाद पाकर इंडियन प्रीमियर लीग (आई॰ पी॰ एल॰) का गठन किया गया। इस लीग का काम था धन कुबेरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा देश-विदेश के खिलाड़ियों को खरीदा जाए और अपनी-अपनी टीमें बनाई जाएँ।

2- आशय स्पष्ट कीजिए-
"यश और धन ———— नहीं होती।"

आशय -
प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि मनुष्य की इच्छाएँ कभी पूरी नहीं होती। वह जितना प्राप्त कर रहा होता है, उससे कहीं और ज्यादा प्राप्त करने की इच्छा होती है। क्रिकेट जगत में भी, इसी के परिणाम स्वरूप ट्वेंटी-ट्वेंटी क्रिकेट का आविष्कार हुआ।

3 निम्नलिखित शब्दों के वाक्य प्रयोग कीजिए-

टीम- क्रिकेट में दो टीमें खेलती हैं।
योजना- दोनों टीमें अपनी-अपनी योजना बनाती हैं।
खिलाड़ी- प्रत्येक टीम में ग्यारह-ग्यारह खिलाड़ी होते हैं।
भीड़- क्रिकेट मैच के दौरान काफी भीड़ इकट्ठा हो जाती है।
दर्शक- स्टेडियम दर्शक दीर्घा होती है।

विषय-वस्तु का बोध –

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

टैस्ट मैच शृंखला और सराहते थे।

प्र० क – इस शृंखला में आम लोगों की रुचि कम क्यों थी?

उ० – इस शृंखला में आम लोगों की रुचि इसलिए कम थी, क्योंकि यह महीनों तक चलती थी।

प्र० ख – कौन लोग इस खेल में रुचि रखते थे?

उ० – केवल क्रिकेट की बारीकियों को समझने वाले पारखी ही मैदान में उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का कौशल देखते, परखते और सराहते थे।

प्र० ग – शृंखला महीनों तक क्यों चलती थी?

उ० – इस शृंखला के मैच पाँच दिनों होते हैं और चार या पाँच टैस्ट होने पर यह महीनों तक चलती थी।

प्र० घ – गद्यांश में आए दो विशेषण शब्द ढूँढकर लिखिए

उ० – क) लंबी ख) पाँच

भाषा-बोध

पाठ 13

1. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

देश	-	वतन	मुल्क
दिन	-	दिवस	वासर
विश्व	-	संसार	जगत
रात	-	रजनी	निशा
सूरज	-	सूर्य	दिनकर

2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

मुनाफ़ा	×	नुकसान / हानि	यश	×	अपयश
आय	×	व्यय	लघु	×	दीर्घ
कृत्रिम	×	अकृत्रिम / प्राकृतिक	संतुष्टि	×	असंतुष्टि
उपस्थित	×	अनुपस्थित	जीत	×	हार
समाप्त	×	आरंभ	खरीदना	×	बेचना
देश	×	विदेश	उद्देश्य	×	निरुद्देश्य

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए-

शृंखला	-	शृंखलाएँ	योजना	-	योजनाएँ
स्पर्द्धा	-	स्पर्द्धाएँ	टीम	-	टीमें
गेंद	-	गेंदें	दर्शक	-	दर्शकगण
पैसा	-	पैसे	मान्यता	-	मान्यताएँ

4. प्रत्यय एवं मूलशब्द अलग करके लिखिए-

पाठ 13

	मूलशब्द	प्रत्यय
लोकप्रियता	लोकप्रिय	ता
पल्लवित	पल्लव	ता
विकसित	विकास	इत
खिलाड़ी	खेल	आड़ी
बीसवीं	बीस	वीं
व्यावसायिक	व्यवसाय	इक
दिवसीय	दिवस	ईय

5. दिए गए वाक्यों में नीचे आए शब्दों को उनके उचित स्थान पर लिखिए-

(क) इस घोल में रंग दिया क्रिकेट के खेल को।

(ख) इस तरह निर्माण हुआ ट्वंटी-ट्वंटी क्रिकेट का।

(ग) इस रंगीन क्रिकेट ने इस खेल को लोकप्रियता और मनोरंजन के शिखर तक पहुँचा दिया।

(घ) चार शताब्दियों से भी पुराने इस खेल में छोटे-मोटे कई परिवर्तन हुए।

(ङ) इस खेल को तमाशों की दुनिया का सरताज बना दिया।

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया	कारक
	इस	-	रंग दिया	
	इस	ट्वंटी-ट्वंटी	निर्माण हुआ	
	इस	रंगीन	पहुँचा दिया	
	इस	चार, पुराने, छोटे-मोटे	हुए	
	इस	सरताज	बना दिया	